भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
18.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3846 का उत्तर

तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना

3846. श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत अब तक आवंटित और उपयोग की गई निधियों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) तमिलनाडु में, विशेषकर थूथुकुडी जिले में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत अब तक आवंटित और उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) थूथुकुडी जिले में चयनित रेलवे स्टेशनों में इस योजना के अंतर्गत हुई प्रगति की स्थिति क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग) रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार

और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्कैपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्ध रूप से एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण, मल्टी-मॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के सृजन की भी परिकल्पना की गई है।

इस योजना के तहत अब तक, 1337 स्टेशनों की पहचान की गयी है जिनमें से 77 स्टेशन, जिनमें थूथुकुडी जिले के तीन स्टेशन अर्थात तिरुचेंदूर, कोविलपट्टी और तूतीकोरिन शामिल हैं, तमिलनाडु राज्य में स्थित हैं। तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
तमिलनाडु	77	अंबासमुद्रम, अंबत्तूर, अराक्कोणम जंक्शन, अरियलूर, अवादी, बोम्मिडी, चेंगलपट्टू जंक्शन, चेन्नई बीच, चेन्नई एग्मोर, चेन्नई पार्क, चिदंबरम, चिन्ना सेलम, कुरोम्पेट्टै, कोयम्बटूर जंक्शन, कोयम्बटूर नॉर्थ, कुन्नूर, धर्मपुरी, डॉ. एम.जी. रामचन्द्रन सेन्ट्रल, इरोड जंक्शन, गुडुवनचेरी, गुइंडी,

		गुम्मिडीपूंडी, होसुर, जोलारपेट्टई जंक्शन, कन्याकुमारी, कराइक्कुडी, करूर जंक्शन, काटपाडी, कोविलपट्टी, कुलितुरई, कुंभकोणम, लालगुडी, मदुरै जंक्शन, माम्बलम, मन्नापरई, मन्नारगुडी, मयिलादुथुराई जंक्शन, मेट्टुपलयम, मोरप्पुर, नागरकोइल जंक्शन, नमक्कल, पलानी, परमाकुडी, पेराम्बुर, पोदनूर जंक्शन, पोलाची, पोलुर, पुदुक्कोट्टई, राजापलायम, रामनाथपुरम, रामेश्वरम, सेलम, सामलपट्टी, शोलावंदन, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुथुर, सेंट थॉमस माउंट, ताम्बरम, तेनकासी, तंजावुर जंक्शन, तिरुवरुर जंक्शन, तिरुचेंदूर, तिरुनेलवेली जंक्शन, तिरुप्पादिरिप्पुलियूर, तिरुपत्तूर, तिरुपुर, तिरुशूलम, तिरुत्तानी, तिरुवल्लुर, तिरुवण्णायलै, उदगमंडलम, वेल्लोर कैंट, विल्लुपुरम जंक्शन, विरुधुनगर, वृद्धाचलम जंक्शन, दिंडुक्कल, तूतीकोरिन

तमिलनाडु राज्य में स्थित थूथुकुडी जिले के तिरुच्चेदूर, कोविलपट्टी और तूतीकोरिन स्टेशनों सहित 71 अमृत स्टेशनों के लिए विकास कार्यों हेतु निविदाएं प्रदान कर दी गयी हैं और कार्य शुरू कर दिए गए हैं। तिरुच्चेदूर स्टेशन पर प्रवेश द्वार, छतरी, प्लेटफार्म शेल्टरों का सुधार, चार पहिया पार्किंग, लिफ्टों का निर्माण और एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली की व्यवस्था का कार्य पूरा हो चुका है और नए प्रतीक्षालय, डोरमेट्री के निर्माण, दुपहिया पार्किंग में सुधार, सड़क संबंधी

कार्य आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है। कोविलपट्टी स्टेशन पर प्रवेश द्वार, चार पहिया वाहन पार्किंग और एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली के प्रावधान का कार्य पूरा हो चुका है तथा नए टर्मिनल भवन का निर्माण, सड़क संबंधी कार्यों में सुधार, दो पहिया वाहन पार्किंग आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है। तूतीकोरिन स्टेशन पर शौचालय ब्लॉक, स्विच रूम का निर्माण, पार्किंग क्षेत्र में सुधार आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।

अन्य परियोजनाओं में भी निष्पादन तीव्र गति से किया जा रहा है। उदाहरण के लिए,

- मदुरै स्टेशन पर पूर्व की ओर बहु-स्तरीय दुपहिया वाहन पार्किंग और इलेक्ट्रिक सबस्टेशन का संरचना संबंधी कार्य पूरा हो चुका है तथा पूर्व की ओर टर्मिनल भवन, दोनों ओर बहु-स्तरीय कार पार्किंग, एयर कॉनकोर्स, पार्सल फुट ओवर ब्रिज, सबवे आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- चेन्नई एग्मोर स्टेशन पर पार्सल भवन का संरचना संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है तथा दोनों ओर बहु-स्तरीय कार पार्किंग, जीआई रोड की ओर टर्मिनल भवन आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- सामलपट्टि स्टेशन पर, नए मुख्य टर्मिनल भवन और मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा द्वितीय प्रवेश द्वार पर पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफार्म को ऊंचा करने, परिसर की दीवार के निर्माण आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- कारैक्कुडि स्टेशन पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग क्षेत्र, नए पोर्च का निर्माण, लिफ्टों और सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड लगाने का काम पूरा हो चुका है।

प्रतीक्षालय, प्रवेश और निकास द्वारों के लिए संरचना संबंधी कार्य पूरे हो चुके हैं और परिचलन क्षेत्र, ढके हुए मार्ग आदि का काम शुरू कर दिया गया है।

- अरियालुर और मन्नारगुडी स्टेशनों पर नए प्रवेश द्वार, प्रवेश द्वार पोर्च के निर्माण, पहुंच मार्ग के साथ परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग क्षेत्र, कॉनकोर्स क्षेत्र, बुकिंग काउंटरों, प्लेटफार्म सतह, प्रतीक्षालयों और प्लेटफार्म शेल्टरों का कार्य पूरा कर लिया गया है।

इसके अलावा रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ और उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। अतः, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/विकास/पुनर्विकास सतत् एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है तथा इस संबंध में कार्य आवश्यकता के अनुसार किए जाते हैं जो पारस्परिक प्राथमिकता और धनराशि की उपलब्धता के अध्यधीन है। बहरहाल, स्टेशनों के उन्नयन/विकास/पुनर्विकास के लिए

कार्य को स्वीकृत और निष्पादित करते समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत यात्री सुविधाओं का प्रावधान/उन्नयन और स्टेशनों का विकास सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्त पोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। तमिलनाडु राज्य दो जोनों यथा दक्षिण रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे के अंतर्गत आता है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों और चालू वित्तीय वर्ष के दौरान इन जोनों के लिए 4,313 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों और चालू वित्तीय वर्ष यानी 2024-25 (अक्टूबर, 2024 तक) के दौरान इन जोनों पर 2,506 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

*****